सरिता

सरिता

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

SARITA (सरिता)
Anthology of Maithili Verse by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-88811-43-9
दाम: 150/- (भा.रु.)

चारिम संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2013, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

काव्य-क्रम

परदेश जेतै/07
ओज ओझरी/10
पानि बीच/12
बंसी धार/15
जिनगी जखन/17
राति-दिन/19
तेहरौनी/21
गेल उमरिया/23
कर-करनाम/25
मनुख कहाँ/27
चान कौसिकीय/29
घट-घट/31
ओल ओड़ि/33
निरजन वन/35
हरबाह/36
हर हलक/37
सालक विदाइ/38
मोनि मन/39
सेड़ाइते/40
आँखि मिचौनी/41
अलकक चान/42

समाज सजल/43
सभ मिलि/44
सोच सकार/46
अबिते अगहन/47
उपजल खेत/48
धूल चरण/49
उनटन/51
जान विचार/52
चालैन-सूप/53
मरम देखि/55
वेद-भेद/57
भक-इजोतमे/59
जेठुआ गरे/61
निर्जन वन/63
छगुन्तामे पड़ल छी/65
सुआगत की लए/67
सुआगत अपनेक/69
वृद्ध केना/70
समय केर/72
भगवती गीत/73

मण्डलजीक 'पंगु' उपन्यासक बादक
गद्य लेखन-क्रम/75

परदेश जेतै

भैया यौ परदेश जेतइ।
नै छै लज्जैत गाम-घरमे
नै छै चालि बेवहारमे।
बोली-वाणी एक्कोमे नइ छै
नै छै आसे-बिसवासमे।
अहीं कहू भाय, केनाकऽ रहतै
भैया यौ परदेश जेतइ।

मर्त बनि भूमि मर्द जखने
धड़ि धड़ लज पट-पेटमे।
हंस-हँसि हीहिया-हीहिया
कु-लज्जैत सू रणक्षेत्रमे।
अहीं कहू भाय, केना कऽ जेतै
भैया यौ, परदेश जेतइ।

छेलै भूमि कहियो भूमा सन
बास-सुबास सजैत छेलै
देव-दानव मानव बनि-बनि
अरूप-सरूप बनैत गेलइ।
अहीं कहू भाय, केना कऽ टिकटै
भैया यौ, परदेश जेतइ।

दूर बसि दुर्वासा देखि-देखि
ललकारा ललकारि भरै छइ।
दूर देश दुर-दुर दुरदुरा
अपन पौरुष पाबि कहै छइ।
अहीं कहू भाय, दम केना कऽ अँटतै
भैया यौ, परदेश जेतइ।

कमल सगर किलकारी भरि-भरि
बेथा-कथा हेल-हेल कहै छइ।
भूम-कुभूम भूमहुर बनि-बनि
त्राहि-माम कंश कृष्ण कहै छइ।
अहीं कहू भाय, किए कऽ जेतै
किए जेतै, किए ने जेतइ।
अहीं कहू भाय, केना नै लीबतै
भैया यौ, परदेश जेतइ।

आन अपन अपना-अपना
मद बोतल-शीशी भरै छइ।
पीबिते मद मदहोश बनि-बनि
चीन-पहचीन बिसरए लगै छइ।
अहीं कहू भाय, बिसरल मन केना कऽ पड़तै
भैया यौ, परदेश जेतइ।

घोड़ा-हाथी, ऊँट चढ़ि-चढ़ि
रह-राही रणबास चलै छै।
योद्धा-युद्ध सरसिज सिरैज

वीरभूम नाओं धड़बए लगै छै।
अहीं कहू भाय, किए ने रहतै
नै यौ भैया, जेबे करतै, जेबे करतै।


ओज ओझरी

ओज ओझर सोझ सोझड़ै
पछुआ पोझर पोझ पकड़लक।
ओज-सोझ सोझर करैमे
सोझर सोझ पोझर पकड़लक।
सोझर सोझ पोझर पकड़लक
पछुआ पोझर...।

घीचि-घीचि पछुआ पक-पकैड़
चढ़ि टिकासन बसन बनौलक
करवनो मुहगर करवनो मुँहचर
चालि चलि सिंघासन मारलक।
चालि चलि सिंघासन मारलक।
पछुआ पोझर...।

पोझरी ओझरी बनि बिगैड़
सोझरी बाट सोझा भगौलक।
छाती हाथ धड़ धक-धकेलि
पोझर-सोझर सरसिज भगौलक।
पोझर-सोझर सरसिज भगौलक।
पछुआ पोझर...।

अपने रोपल गाछी भुताइ
आकि पोखैर नाओं चढ़ौलक
पोखैर भुताइ आकि गाछी
मन मन्दिर बिस बैस कहलक।
मन मन्दिर बिस बैस कहलक।
पछुआ पोझर...।



पानि बीच

पानि बीच समुद्र बसल छै
आकि समुद्र पानि कहबै छै?
सजि-सजि साजि सरोवरो-झीलो
तहिना संग सगरो सजबै छै।
पानि-बीच समुद्र बसल छै
आकि समुद्र पानि कहबै छै।

बनि धुआ धुँअकारी बनि-बनि
अकास नील सजबए लगै छै।
धड़-धड़ि धार धड़ि-धड़ि धरती
कमल नील खिलबए लगै छै।
पानि बीच...।

बूने-बून बड़-बड़ बनि-बनि
धड़ धरती धन राशि धड़ै छै।
दस दुआरि लक्ष्मी बनि-बनि
अकास-पताल बखान करै छै।
पानि बीच...।

मन मण्डल धनमण्डल बनि-बनि
ही पत ही अकसि खसै छै।

मह-महा महि-महि मुखमण्डल
माखन बनि अमृत बसै छै।
पानि बीच...।

करवनो मधु कटि कट करवनो
नम-नम नाम धड़बए लगै छै।
चढ़ि अकास अकैस झकैस
धड़-धरती धन राशि धड़ै छै।
पानि बीच...।

सुवास-अकास मह महा-महा
सिज-सिर समर सजबए लगै छै।
जन-जनि जननी कहि-कहि
अकास गनजन करए लगै छै।
अकास गनजन करए लगै छै।
पानि बीच...।

जूही-बेली संग सहेली
सहैल सहला रस रज भरै छै।
बनिते रस-रज रजिया
लटपट-खटपट करए लगै छै।
लटपट-खटपट करए लगै छै।
पानि बीच...।

एबा-जेबा बाट बनि-बनि
गंग अकास बहए लगै छै।

धड़-धड़ा धरती धरि-सजि
नाभि कमल खिलबए लगै छै।
पानि बीच...।

नरम-गरम सरम बनि-बनि
सिंगार सजि सिर चलए लगै छै
पेब प्रेम पहिया प्रसून बनि
रस प्रेम भक्त पबए लगै छै।
पानि बीच...।


बंसी धार

किनहैर बैस कन्ह-कन्हुआ
बंसी धार लगौने छिऐ।
चेल्हबा-पोठी बोर बना
रेहुक सिरा सजौने छिऐ।
रेहुक सिरा सजौने छिऐ।
बंसी धार...।

लहैक-लहैक लहकी लहका
घिड़नी चाइल धड़ौने छिऐ
धारे बीच खेल खेला खेलारी
हेला हेल हेलबौने छिऐ।
हेला हेल हेलबौने छिऐ।
बंसी धार...।

बिनु छिपे छीप छीप-छीप
उनटा पट पटकने छिऐ।
पुछड़ी-पूछ पकैड़-पकैड़
हरदा-हरदी लगौने छिऐ।
हरदा-हरदी लगौने छिऐ।
बंसी धार...।

सुआद-कुआद बुझने बिना
जिनगी धार धरौने छिऐ
हारि थाकि मन मारि-मारि
अस्त-उदय देखौने छिऐ।
अस्त-उदय देखौने छिऐ।
बंसी धार...।



जिनगी जखन

जीबठ बान्हि जिनगी जखन
आगू डेग उठबए लगै छै।
धड़ धरती अस-असा अकास
सहर सिहैर डोलए लगै छै।
सहर-सिहैर डोलए लगै छै।
आगू डेग... ।

वायुमण्डल बन वाय जेना
तहिना जिनगी जीव बनै छै।
आनन-कानन बीचो-बीच
जीवन-धार बहबैत रहै छै।
जीवन-धार बहबैत रहै छै।
आगू डेग... ।

मृत भूमि अमृत बनि बनिते
अगुआ डेग उठए लगै छै।
पछुआ पछ पछाड़ि-पछाड़ि
हीय हृदय मढ़ए लगै छै।
हीय हृदय मढ़ए लगै छै।
जीबठ बान्हि... ।

मढ़िते हीर हृदय जखैन
सिर सजि सिर बढ़ए लगै छै।
पबैत पुञ्ज परकाश जखैन
पुष्प कमल सजबए लगै छै।
पुष्प कमल सजबए लगै छै।
जीबठ बान्हि...।

लतैर लता लट लटैक
जन-जनक फुलवाड़ि बनै छै।
नित्या-नन्द संग-संग सीता
जानकी जनक कहबए लगै छै।
जानकी जनक कहबए लगै छै।
जानकी जनक...।

बिनु जिनगानी जिनगी ओहने
बिनु तार तरमण्डल कहै छै।
एकतारा करवनो सितार बनि
पौरुष बुद्ध लहरए लगै छै।
पौरुष बुद्ध लहरए लगै छै।
जीबठ बान्हि...।



राति-दिन

लगल पाँति पतिआनी गढ़ि-गढ़ि
राति-दिन बिचड़ैत रहै छी।
भद्र-भद्रता तँ यएह ने भेल
मरि मुँह कुहरैत रहै छी।
मरि मन कुहरैत रहै छी।
राति-दिन...।

करनी-धरनी बढ़नी बनि-बनि
घटनी-बढ़नी कहैत रहै छी।
कोयल बोल ककह-ककैह
मुँह बाझ अमरीत घोड़ै छी।
मुँह बाझ अमरीत घोड़ै छी।
राति-दिन...।

बनि माली थल-मैल मैल
मृत सिंगार सजबए लगै छै।
मुँह देखि मुंगबा बिलैह
बाड़ी सिर सजबए लगै छै।
बाड़ी सिर सजबए लगै छै।
राति-दिन बिचड़ैत रहै छै।

फुइस-फटक फटैक-फटैक
अनिष्ट-इष्ट कहैत रहै छी।
भूख मन भूक-भूक भूका
सजि मन सिर सजबए लगै छी।
सजि मन सिर सजबए लगै छै।
राति-दिन...।


तेहरौनी

तेहरौनी जोत-इजोत पेब
उठा हाथ छह चास कहै छै।
पबिते हर हरहरा हरहरा
रूप सिंगार परकीत कहै छै।
रूप सिंगार परकीत कहै छै।
तेहरौनी...।

असिया आस आस असिया
सजि सेज श्रृंग शेर कहै छै।
पबिते पौरुष प्रकृति प्रेम
भजन भक्त भजि-भजि कहै छै।
भजन भक्त भजि-भजि कहै छै।
तेहरौनी...।

रूप बहुरूप सरूप गढ़ि-गढ़ि
साले-साल उसरैत कहै छै।
अहिना आगू असिया-असिया
चौंसैठ सिंगार सजैत रहै छै।
चौंसैठ सिंगार सजैत रहै छै।
तेहरौनी...।

प्रेम परकीत सोभाव गुण
बरैस-बरैस बैरसैत रहै छै।
तोष-आसु घोड़ि-घोड़ि घोड़
अमृत रस विषपान करै छै।
अमृत रस विषपान करै छै।
तेहरौनी...।


गेल उमरिया

गेल उमरिया बीत फुसिये मायामे
दगल-दाग लागल कंचन कायामे।
देखि-देखि दुनियाँ मन भड़छलै
रंग-रूप रस पीय पीबामे
भूक भौक भौकिया-भौकिया
चोकैड़ गेल फल पेबा खेबामे।
चोकैड़ गेल फल पीबा खेबामे।
गेल उमरिया बीत फुसिये मायामे
दगल-दाग लगल कंचन कायामे।
गेल उमरिया...।

असिया आस आश मारि-मारि
कुंज–निकुंज बोन झाड़ भड़मै छै
कद-कद कदम गाछ हिल-हिला
कृष कृषकाय कृष्ण पेबामे
कृष कृषकाय कृष्ण पेबामे
गेल उमरिया बीत फुसिये मायामे
दगल-दाग लागल कंचन कायामे।
दगल दाग...।

राधा रघपास पकैड़-पकैड़

झुलना कृष्ण झुलबैत कहै छै।
बात-बाट संग मीलि मिल
एकबट्ट बनि-बनि बाट चलैले।
एकबट्ट बनि बाट...।


कर-करनाम

डिबिया ऊपर मोमरी इजोत
कर-करनाम करैत एलै।
बनि फूल खेल खेलि
मोमरी मन भरैत एलै।
मोमरी मन भरैत एलै।
कर-करनाम...।

जेहेन तेल तेहेन इजोत
रसि रस राशि रसैत एलै।
कठ-कठगैनी हँसि-हँसि कटि
डिबिया रासि जरैत एलै।
डिबिया रासि जरैत एलै।
कर-करनाम...।

बनि इजोत बन-बन करए
गन्ह हवा गन्हकैत एलै।
सिक्त-सिक्त शिखा पकैड़
परिचय अपन धड़ैत एलै।
परिचय अपन धड़ैत एलै।
कर-करनामा...।

पात बीच फूल फूलि फुला
करिया झुमैड़ खेलैत एलै।
बिनु पाते मगर पसीद
रंग-रभस करैत एलै।
रंग रभस करैत एलै।
कर-करनाम...।


मनुख कहाँ

मनुख कहाँ हम बनि पेलिऐ
मीत यौ, मनुख कहाँ हम बनि पेलिऐ।
नै भेल लूरि-बुधि जीबै केर
नै बदलल चाइल-प्रकृति
अपने जेना जे अबैत गेल
तनलिऐ तहिना तानि गीत।
तनलिऐ तहिना तानि गीत।
ताल-मात्र बुझियो ने पेलिऐ
मनुख कहाँ...।

चालैन चाल चालि नै ताबे
गुर-चौल कात केना रखबै।
आँकर-पाथर जा नै बेरतै
सुआद-कुआद केना बुझबै।
अखनो धरि से कहाँ बुझलिऐ
मनुख कहाँ हम बनि पेलिऐ।
मित यौ...।

उत्तर-पूब इसान सजल छै
अकास-पताल पकैड़ बैसल छै।
सत तल जेना उत्तर बसल छै

अतल-पतल सेहो बनल छै।
आइयौ कहाँ से बुझि पेलिऐ
मनुख कहाँ हम बनि पेलिऐ।
मित यौ...।

ढहि केतौ ढनमन केतौ
ढनमन-टनमन होइते एलिऐ
मन मनुआ मन्हुआँ महुरा
अमरीत मिरीत पीबैत एलिऐ।
अमरीत मिरीत पीबते एलिऐ
मनुख कहाँ हम बनि पेलिऐ।

जहिया दुनियाँ-जहान जनबै
मनसुख तहिया बनि पेबै।
मनसुखे ने तनसुख कहतै
आब कि तूँ पार पेबै।
मनुख केना बनि पेबै
मित यौ, मनुख केना...।

सोंखि-सोंखि सुख-चाइन पेबै
आनन-कानन भड़मैत पेबै।
जीता जी जिनगानी पेब-पेब।
गीत जिनगानी गबैत चलबै
मनुख किए ने ने बनि पेबै।


चान कौसिकीय

चान कौसिकीय धड़ि धार
डुमि जखैन मोती पेलकै।
अड़ैक मन तड़ैप-तड़ैप
अरपित-सँ-तरपित पेलकै।
चन्द्र कौसिकीय धड़ि धार
डुमि जखैन... ।

लाभ-लोभ ससैर-पसैर
जिनगी धार बहैत पेलकै।
पटे-पट पटि पेट पटिया
गंग अकास हँसैत धेलकै।
चन्द्र कौसिकीय धड़ि धार
डुमि जखैन... ।

शिखर शीश सरणि सजि
धरती सुनि धारा धड़ौलकै।
धारे-धार धड़ि धड़िया
सागर-गंगा सटैत पेलकै।
चन्द्र कौसिकीय... ।

सगर सागर संग सङोरि
चीत शान्त चेतबैत पेलकै।
कमल नील अकास गढ़ि मढ़ि
सत् सागर अकास फुलेलकै।
चन्द्र कौसिकीय...।

अधर्म-धर्म सुधर्म बनि
सुधर्म-धर्म डेगैत धेलकै
जिनगानी गीत गाबि-गाबि
हरिहर हार चढ़ैत पेलकै
हरिहर हार चढ़ैत पेलकै।
चन्द्र कौसिकीय...।


घट-घट

घट-घट घाट घटवार बीच
भाँज केना पेबै ओइपार।
रंग-बिरंग घट घाट घटि-घटि
पार केना जेबै ओइपार।
पार केना जेबै ओइपार।
घट-घट...।

कमला-कोसी गंगा-जमुना
बैसल छै घट-घट घटवार।
अपन-अपन छब छबि
फेक रहल छै दुनू पार।
फेक रहल छै दुनू पार।
घट-घट...।

धारे-धार मानै छै मनुआँ
मोइन फूटल छै बीचला धार।
घर-घड़िआर बसोवास बनि
चाभि रहल छै दिन-देखार।
चाभि रहल छै दिन-देखार।
घट-घट...।

चढ़ि गाछ गनगुआरि जहिना
किसलय-कलश करए उपकार।
संयम बनि संयासी कहि-कहि
भरमै छै सौंसे संसार।
भरमै छै सौंसे संसार।
घट-घट...।



ओल ओड़ि

ओल ओड़ि ओलि-ओलि
सभटा कब-कब गाड़ि देलकै।
कन्द–केशौर मुँह मुंगबा दऽ
तड़ि-तड़ि तरूआ बनौलकै।
मीत यौ, तड़ि-तड़ि... ।

बेधि सिर कुशियार डाभ-कुश
तड़तड़ाइत तर तामि देलकै।
उनटा-पुनटा सुखा-अबा
मुंगरीसँ झोझड़ा देलकै।
मुंगरीसँ झोझड़ा देलकै।
मीत यौ, तड़ि-तड़ि... ।

बेवहार विधि सेज सहेज
तर-ऊपरा रंग चढ़ा देलकै।
कचे-बचे फल-फूल लटका
हावामे उड़िया देलकै।
हावामे उड़िया... ।

हीय चढ़ि हाथ-पएर पसारि
नापि-नापि मनुखाह बनौलकै।

कंट गुल गुलाब सजि-धजि
कीच कमल कोखिया देलकै।
मीत यौ, कीच कमल...।

कोसा कोख रगैड़-रगैड़
तानी-वाणी रंग चढ़ौलकै।
नख-सिख, सिख-नख रचि-बसि
नचनी-नाच नचा देलकै।
मीत यौ, नचनी-नाच...।


निरजन वन

निरजन वन निरजल पक्षी
गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।
सतरंगी-बहुरंगी खेल खलमे
अपन पएर पखाड़ि रहल छै।
अपन पएर पखाड़ि रहल छै।
निरजन...।

सुरूजो एक धरतीओ एक्के
अग-जल हवा सिहैक रहल छै।
खल-खल खलि खलिया-खलिया
टूक-टूक टुकड़ी तोड़ि रहल छै।
टूक-टूक टुकड़ी तोड़ि रहल छै।
निरजन...।

जेहेन जल-थल जेतए रहै छै
सिरजन सिर तेतए रचै छै।
मन-तन धधकि-धधकि तेतए
पछ सरि पंछी बनैत रहै छै।
निरजन वन...।



हरबाह

जोति हर हरबाह कहै छै
मीत यौ, हर जोति हरबाह कहै छै।

निच्चाँ-ऊपर खेत बनि-बनि
चोटी-ढाल बनल छै।
बून पपीह सु-आती पकैड़
मृत-अमृत रसपान करै छै।
मृत-अमृत रसपान करै छै।
मीत यौ, हर जोति...।

कीर्त-वीर्त आ प्रकृत
तारा-ऊपरी सिर सजै छै।
पसैर लतैर लत्ती जेना
लत-मरदन करैत रहै छै।
लत-मरदन करैत रहै छै।
मीत यौ, हर जोति...।

चोटी पानि टघैर-टघैर
झील-सरोवर सजैत रहै छै।
बाल-भाल कुशक कलेप
स्थल-मरू बनबैत रहै छै।
स्थल-मरू बनबैत रहै छै।
मीत यौ, हर जोति...।



हर हलक

हर हलक हलन्तमे
मीर-दोल तेहल बनै छै।
पुर-पुष्कर पुरस्कर
घाट-बाट घटैत रहै छै।
घाट-बाट घटैत रहै छै।
हल-हलक...।

एक-दू तीन चारि चालि
गति इंजीन गाड़ी धड़ै छै।
अन्हाँ-गाहिंस छड़ छुटि
फरकेसँ फीफीआइत रहै छै।
फरकेसँ फीफीआइत रहै छै।
हल-हलक...।

लंक मारि लपैक-लपैक
संगे-संग चलैत रहै छै।
करनी, भरनी, मरनी बीच
धार अगम बहैत रहै छै।
धार अगम बहैत रहै छै।
हल-हलक...।



सालक विदाइ

भाव-अभाव बिनु केना फुटतै
फुटलोपर लेतै के यौ।
अभाव-भाव सुभाव सुधैर
दर्पण-दर्शन देखौतइ यौ।
दर्पण-दर्शन...।

दर्पण साहित्य समाज कहि
दृष्ट–दर्शन छिपौलकै यौ।
एना-केना बाट बना
बटोही बाट भोतियौलकै यौ।
बटोही...।

एक्कैस-बीस समय ससैर
नचिनी नाच नचै छै यौ।
बिनु अखियासे जन-मरम
जिनगी भसान भसै छै यौ।
भाव-अभाव बिनु केना फुटतै
फुटलोपर...।



मोनि मन

मने मन उमैड़-घुमैड़
बिढ़नी गीत गबैत रहै छै।
सिंह-बाघ धरती धमैक
पानि गोहि मोहैत रहै छै।
बढ़नी गीत...।

घटनी-बढ़नी कहि-सुनि
बढ़नी घटनी करैत रहै छै।
बढ़नी झाँटि झाड़ि-झटिया
मारि बढ़नी मारैत रहै छै।
बिढ़नी गीत...।

सेवा कहि-कहि सभ ठक
ठेका रस पीबैत रहै छै।
मुदा कि, पबिते जिनगीक रस सेवा
स्पद-प्रेम मिलि मीलि गबै छै।
स्पद-प्रेम...।
मने मन उमैड़-घुमैड़
बिढ़नी गीत...।


सेड़ाइते

मीत यौ, सेराइते सड़ै छै।
हेराइते हरै छै, डेराइते डरै छै।
मीत यौ, सेराइते सड़ै छै।

भात-बात बासि बसिया
बसिया-लसिया रूप धड़ै छै।
बसिया-टटका कहि सुनि-सुनि
निसाँ नसा चढ़बैत रहै छै।
निशा नसा चढ़बैत रहै छै।
मीत यौ, सेराइते...।

वाह रे मन, इच्छित जीवन
चाहक हाल बुझैत रहै छै।
पानि कहि सेराएल चाह
हटा कात फेकैत रहै छै।
हटा कात फेकैत रहै छै।
मीत यौ, सेराइते...।

मीत यौ, सेराइते सड़ै छै।
हेराइते हरै छै, डेराइते डरै छै।


आँखि मिचौनी

दिन-रातिक आँखि मिचौनी
अन्हरा-दिठड़ा खेल खेलै छै।
दिन-सुदिन कहि सुना-सुना
निसभरि राति रमैत रहै छै।
निसभरि राति रमैत रहै छै।
अन्हरा-दिठरा... ।

दिना दोख घिसिया-तिरिया
नित: नोन नश-नश भरै छै।
अधा जिनगी अलबा-दोलबा
अदहे आँखिक बीच उड़ै छै।
अदहे आँखिक बीच उड़ै छै।
अन्हरा-दिठरा... ।

दिठड़ा डेग बढ़ि-बढ़ि बढ़ा
लपैक बाँहि अन्हरा पकड़ै छै।
पकैड़ बाँहि नूनू-दूनू
राति काटि प्रभाती गबै छै।
राति काटि प्रभाती गबै छै।
अन्हरा दिठड़ा... ।



अलकक चान

अबिते आँगन अलैक-झलैक
दोग-सान्हि देखए लगै छै।
दोगे-दोग दौड़ दूर देखि
अलकक चान दौड़ए लगै छै।
अलकक चान दौड़ए लगै छै।
अबिते आँगन...।

सोनि-सानि शून सन्हिया
उगडुम डुमउग करए लगै छै।
उगि-डुमि डुबकुनिया मारि-काटि
चितंग चेल चेतबए लगै छै।
चितंग चेल चेतबए लगै छै।
अबिते आँगन...।

जहिना लहास धार धरा
चीत-पट परिचय करए लगै छै।
अलैक-पलैक अलि-अल कहि
अलकक चान देखए लगै छै।
अलकक चान देखए लगै छै।
अबिते आँगन...।



समाज सजल

समाज सजल छै छिपाड़-उकट्ठीक
छीप-उकठपना बेवसाय बनल छै।
रंग-बिरंग समाज गढ़ि-मढ़ि कए
रंग-रंग छीप सदि बनबैत रहै छै।
रंग-रंग छीप सदि बनबैत रहै छै।
समाज सजल...।

आस-वियास बनिते जहिना
चोर-माखन कृष्ण कहै छै।
गोप-गोपी बीच उमैक
कहि उमैक उकठपन करै छै।
कहि उमैक उकठपन करै छै।
समाज सजल...।

भावो लोक तहिना भावए
मारि सेन्ह कटिया कहै छै।
शास्त्री, शब्दशास्त्री कहि
कर्ता-धर्ता ब्रह्म कहै छै।
मीत यौ, कर्ता...।



सभ मिलि

सभ मिलि हमरा बाड़ि देलकै।
अपना समाजसँ टारि देलकै।
सभ मिलि हमरा बाड़ि देलकै।

बनि-बनि बदैल-बदैल
वारिस वर्ष मेघ कहौलकै।
माटि-छोड़ि बालु पकैड़
अपने मुँह अपने भरलकै।
अपने मुँह अपने भरलकै।
मीत यौ, अपने मुँह अपने भरलकै।
अपना समाजसँ...।

बाड़ि चोरवत्ती देखि अन्ह
अन्है जलधर बसौलकै।
बास बासुकि कहि-कहि
सिर शिव मलि मढ़लकै।
मीत यौ, सिर शिव मलि मढ़लकै।
अपना समाजसँ...।

चास-बास-अगवास बनि वन
सिर आगू पीड़ सजौलकै।

पंच-एकक फन्द फड़ि फल
मेव पंच प्रसाद बँटलकै।
मीत यौ, सभ मिलि हमरा बाड़ि देलकै।
सभ मिलि हमरा... ।


सोच सकार

सोच सकार हकारि-हकार
नैन-उपनैन बुलि-बुलि बँटै छै।
मानि-मन बानि-बनि बन
नकार-सकार सकारि कहै छै।
सोच सकार...।

शब्द-शक्ति पकैड़ भक्ति
कर्म-धर्मक चारा छिटै छै।
शब्द-कर्म आकि कर्म-शब्द
हकारि-हकारि हकार कहै छै।
सोच सकार...।

चालि-चक्र पकैड़ वक्र
सिनेह सिक्त अर्जुन धबै छै।
सकारि-सकार बिलैह हकार
आनन नन कानन पबै छै।
मीत यौ, आनन नन कानन पबै छै।
सोच सकार...।


अबिते अगहन

अबिते अगहन ओस ओसा
धड़-धरती धड़ए लगै छै।
चर-चाँचर आँचर पकैड़
उजाहि सिल्ली चरए लगै छै।
उजाहि सिल्ली चरए लगै छै।
अबिते अगहन ओस ओसा
धड़-धरती धड़ए लगै छै।

आँचर धन चाँचर पकैड़
गरि गारा गाबए लगै छै।
अकुल-सकुल रभसि राग
राति-दिन गाबए लगै छै।
राति-दिन गाबए लगै छै।
अबिते अगहन ओस ओसा
धड़-धरती धड़ए लगै छै।

जेकर छेलै तेकर गेलै
अपन कहि हहकारि कहै छै।
धनबल मनबल सिर चढ़ि
राग-विराग अलापि कहै छै।
राग-विराग अलापि कहै छै।
अबिते अगहन ओस ओसा
धड़-धरती धड़ए लगै छै।



उपजल खेत

उपजल खेत जजाति जहिना
मुड़हन, दोहन तेहन कहै छै।
कोणे-काणी हिया-हिया
रखा-राखी सिर सैंत सजै छै।
रखा-राखी सिर सैंत सजै छै।
उपजल खेत जजाति जहिना
मुड़हन, दोहन तेहन कहै छै।
उपजल खेत...।

बोन-बाध बिनु रखा राखी
निर्जन निरबल कहए लगै छै।
आलत-पालत फालत बनि
परती-पराँत कहए लगै छै।
परती-पराँत कहए लगै छै।
उपजल खेत जजाति जहिना
मुड़हन, दोहन तेहन कहै छै।
उपजल खेत...।

मरल धार चहि चहैट पेट
मूर्द-घाट सिरजए लगै छै।
बजारि बज्र परतीओ तहिना
मूड़धन धाम बनबए लगै छै।
उपजल खेत जजाति जहिना
मुड़हन, दोहन तेहन कहै छै। ❑

धूल चरण

धूल चरण चरणामृत कहि
दर्शन कवि दरसबैत एला
रज सिर सहज सहेजि सजि
गुड़ गोसाँइ सिखबैत एला।
गुड़ गोसाँइ सिखबैत एला।
धूल चरण...।

हर क्षण हर पल पकैड़-पकैड़
जीअन-मरण जोड़बैत एला
चीत चेता चकोर चितबन
आँखि-फाँड़ि फड़कैत एला
फाड़ि-आँखि फड़कैत एला।
धूल चरण...।

जीता जी गुहाँ-भत्ता
मर्म मरण महि महियबैत एला
चरण पकैड़ चन चान चना
जल-थल नभ नमबैत एला
जल-थल नभ नमबैत एला
धूल चरण...।

चरण-शरण कहि शरणागत
रूप रोबोट धड़बैत एला

जीवन मुक्त मुक्ति जिनगीक
नाओं राम रटबैत एला।
नाओं राम रटबैत एला।
धूल चरण...।
❑

उनटन

उनटन उबटन सदि-सदि बनि
बोध बाल धड़ धड़ैत एलै
अदैल-बदैल रीति-नीतिकेँ
सून-शून्य सुनबैत एलै।
मीत यौ, सून-शून्य सुनबैत एलै।
उनटन उबटन...।

दस-बीस, तीस तीन तेबर
जेबर बनि-बनि सजैत एलै।
नबे-अस्सी खस्सी खखैस
खड़-खड़ाइत खसैत एलै।
खड़-खड़ाइत खसैत एलै।
उनटन उबटन...।

पछिया पछ पकैड़ पछुआ
पूब-पूब पुपुआइत एलै
डेन पकैड़ वामा-दहिना
पाट धोबि पटकैत एलै।
पाट धोबि पटकैत एलै।
उनटन उबटन...।



जान विचार

जान विचार अबिते अँगना
जनदार बास कहबए लगै छै।
कर्म-शब्द रचि-रचि बसि-बसि
रूप कर्म सजबए लगै छै।
रूप कर्म सजबए लगै छै।
जान विचार...।

भाव कहै छै अभाव भाव
कर्म गवाही दइत कहै छै।
करता-धरता जे जन जान
साधि-साधि मंगल गबै छै।
साधि-साधि मंगल गबै छै।
जान विचार...।

कर्म-धर्म कि शब्द-धर्म
आँखि मिचौनी खेल खेलै छै।
तिरछा-तिरछा तीन-तेबाट
बिरीछ-तिरीछ रोपए लगै छै।
जान विचार...।



चालैन-सूप

चालैन-सूप चलैन एलौं
भाय यौ, सूप-चालैन चलैन एलौं।
करवनो घाट करवनो अगम
बीच पानि चलिआइत एलौं।
पकैड़ पाँखि सुगना गीधक
चाल चील चिलिआइत एलौं
भाय यौ, चालैन...।

करवनो सिमटी बालु बनि
संगे-संग पथराइत एलौं।
दोखरा-तेखरा करवनो बनि
मुरही संग भुजाइत एलौं
भाय यौ, मुरही संग भुजाइत एलौं।
चालैन-सूप...।

जल्ला सिर गाछ पकैड़
बाँस जाल जलिआइत एलौं।
अल्हुआ-सुथनी फल पकैड़
मरिया-अरिया फेकाइत एलौं
भाय यौ, मरिया-अरिया फेकाइत एलौं।
चालैन-सूप...।

करनी-धरनी बढ़नी बनि
अँगने घर बहराइत एलौं।
गुड़ा-खुद्दी खखरी बनि
गुड़चल्ला-चला चलाति एलौं
भाय यौ, गुड़चल्ला चला चलाति एलौं।
चालैन-सूप...।



मरम देखि

मरम देखि मर्माहत होइ छै
मर्म देखि मर्माहत होइ छै।

डाह मरम मरण देखि
मर्माहत टुक-टुक तकै छै।
तारन-मारन देखि-देखि
तिलमिला तिल-तिल खसै छै।
तिलमिला तिल-तिल खसै छै।
मरम देखि...।

मर्मक आहत देखि-देखि
घात-अवघात हृदय लगै छै।
तइर तीर तीड़ि-तीड़ि
सगर देह सकबेध देखै छै।
सगर देह सकबेध देखै छै।
मरम देखि...।

मर्म मारि सुमारि छोड़ि
कुमारि मारि मारैत रहै छै।
अढ़ि-मढ़ि एँठि रस्सी
बाट-घाट सकबेध देखै छै।
बाट-घाट सकबेध देखै छै।
मरम देखि...।

मर्म एक दुनियाँ बसि बसा
जिनगीक पाठ पढ़ैत रहै छै।
दोसर मरम मरण बनि-बनि
भूत-राकश टहलैत रहै छै।
भूत-राकश टहलैत रहै छै।
मरम देखि...।



वेद-भेद

वेद-भेद रंग रभस्य
पबिते रस रहस्य भरै छै।
भेद भेदिया भेदि-भेदि
तल-ऊपर चक्की गढ़ै छै।
तल-ऊपर चक्की गढ़ै छै।
वेद-भेद... ।

भेदि भेद भेदिया भभा
हँसि-हँसि सूरतान भरै छै।
शून सुनि कुभेद-भेद
मने-मन सिरजैत रहै छै।
मने-मन सिरजैत रहै छै।
वेद-भेद... ।

मन-मनमन्तर विचारि कुचाड़ि
भेदि भेद भेदैत रहै छै।
विचार बीच कुचार-सुचार
शक्ति शिव सुरतानि कहै छै।
शक्ति शिव सुरतानि कहै छै।
वेद-भेद... ।

करम-धरम आकि धरम करम
वेद-भेद भेदिआए कहै छै।
तत्व हीन उकैट-पकैट
शूर-शूरधाम सुर चढ़ै छै।
शूर-शूरधाम सुर चढ़ै छै।
वेद-भेद...।


भक-इजोतमे

भक-इजोतमे पड़ल छै
भयार यौ, मीत यौ, भाय यौ
भक इजोतमे पड़ल छै।

खेतक मुँह सुख सोहनगर
साड़ी हरियर चास चढ़ल छै।
उक्खैर सन बीट समाठ सीस
बनि गर्भ संक्रान्ति कहै छी।
बनि गर्भ संक्रान्ति...।

भुक-भुक भकजोगनी टहैल
इजोत-अन्हार करैत रहै छै।
थाहि-थाहि थोपड़ी थपथपा
टाहि टहाका मारि कहै छै।
टाहि टहाका मारि...।

कातिक कंत देखैले
कलहंत कण्ठ कलपैत कहै छै।
कोकिल कण्ड तानि मधुर
कौआ-कागा सिर चढै छै।
कौआ-कागा सिर...।

जेकरा लूरि छै घर बनबए
चाहे घास चाहे ठौहरी।

बोली-वाणी कुसि कुसिया
हँसैत वंश दौड़बैत चलै छै।
हँसैत वंश दौड़बैत चलै छै।
भक-इजोत...।



जेठुआ गरे

जेठुआ गरे गर लगिते
बनि अन्हर-बिहाड़ि धड़ै छै।
बिहरन समय बनि-बनि बना
विरह-वेदना कहए लगै छै।
जेठुआ गरे...।

चैत-बैशाख जेहेन तपस्या
हलचला धड़ती सिंचै छै।
सम-समय समेट सिजैत
हाले हल युग-धर्म कहै छै।
हाले हल युग-धर्म कहै छै।
जेठुआ गरे...।

जन-जनक जेना जनक
मिथिला काम-धाम कहबै छै।
देश-देशान्तर रथी महा
सिख सिर सजबैत रहै छै।
सिख सिर सजबैत रहै छै।
जेठुआ गरे...।

बट-कट कटि बट वृक्ष जहिना
जिनगी बाट धड़ैत रहै छै।

राग-विराग तजि तियागि
चोंचिया चोंच हंस भरैत रहै छै।
चोंचिया चोंच हंस भरैत रहै छै।
जेठुआ गरे...।

सर-नर रस्ता पकैड़-पकैड़
श्रृंग-श्रृंगी श्रृंगार करै छै।
रथी-महारथी जगमे
पुत्र-यज्ञ श्रृंगी कहबैत रहै छै।
पुत्र-यज्ञ श्रृंगी कहबैत रहै छै।
जेठुआ गरे...।



निर्जन वन

निर्जन वन निर्जल पक्षी
गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।
सतरंगी सतसंगी कहि-सुनि
अप्पन पएर पखारि रहल छै।
निर्जन वन निर्जल पक्षी
गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।
निर्जन वन... ।

एक सूर्य धरतीओ एक
अग्नि-वासु जल सिक्त करै छै।
तूर-तूर तोड़ि तुरिया तूर
तक-तक तकली कटैत कहै छै।
तक-तक... ।
निर्जन वन निर्जल पक्षी
गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।

जइसन जेतए जल-थलिक गति
सिरजन सिर तेतए तेहन चलै छै।
तन-मन-धन धरम तेतए
हँसि-हँसि पक्षी हंस कहै छै।
निर्जन वन निर्जल पक्षी

गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।
निर्जन वन...।

हंसा बनि-हंस हँसि-हँसि
सत साखी मंगल रचै छै।
निर्जन वन निर्जल पक्षी
गुड़-गृह गुरु गुहारि रहल छै।
गुड़-गृह...।


छगुन्तामे पड़ल छी

छगुन्तामे पड़ल छी
भाय यौ, छगुन्तामे पड़ल छी।
छग-छगा, छक-छका-छक-छका
चालि कुबुधि सुबुधि देखै छी।
छक-छका मेरिचाइ जेना
ड़ब-ड़बा जीह जाँति कहै छै।
भाय यौ, ड़ब-ड़बा...।

सिख-सीखि सिखा-सिखा
सजि सिर सिरिस कहै छै।
कर्ता-धर्ता-भर्ता भजार
सीस चढ़ि सिरमति कहै छै।
कलैप देखि कलपै छी
भाय यौ, कलैप देखि कलपै छी।
छगुन्तामे...।

भरनी-तानी भरि ताना-वाना
दिन-राति मखड़ैत कहै छै।
सुता सुत तानि ताना भरना
लट्टा-कट्टा सजैत रहै छै।
देखि-देखि करूआइ छी

भा यौ, देखि-देखि करूआइ छी
छगुन्तामे...।

सूत फेकि सुतियार बनि
रंग-बिरंग जाल बुनैत रहै छै।
इचना-पोठी संग रौह-भाकुर
ग्राह-गोहि गोहियाइत रहै छै।
मरमसँ मरमाइ छी
भाय यौ, मरमसँ मरमाइ छी।
छगुन्तामे...।


सुआगत की लए

सुआगत की लए करब अहाँक
सुआगत की लए करब अहाँक।
नै अछि एको विधि बेवहार
धएल धड़हरक चरचे की करब।
सर-समांग एको ने देखै छी
तइओ सुआगत करबे-करब।
असे नै बिसवास कहै छी
की लए सुआगत करब अहाँक
सुआगत की लए करब अहाँक।

हेरल-हेराएल भोथिआएल बोन
चीन-पहचीन उड़िया गेलै
कीच कमल कोशिया कुरबा
जोति जल जोतिया गेलइ।
आसा-आस असिया अलिसा
जुड़ा जूर जुड़ा कहै छी
सुआगत की लए करब अहाँक।
इच्छा–आशा सखी-सहेली
सजि फुलडाली संग-सुसंग
आस मारि बेआस मरि-मरि
छी समर्पित अंग-प्रत्यंग।

आस-बिसवास धैड़ धड़ि
भव-भार भरि-भरि भरै छी
मन मारि तइयो अहाँक
सुआगत की लए करब अहाँक।
सुआगत की लए...।


सुआगत अपनेक

सुआगत अपनेक करै छी
अभिगत अपने सुआगत करै छी।
गुरु-गरु बड़ सिर सिरजन बर
हारि-हीय हेराइत कहै छी
सुआगत अपनेक करै छी।
नैन-बैन संग, बैन-चैन संग
चैन-मैन संग, मानि सानि कहै छी
तथागत,
अपनेक सुआगत करै छी।

असि आस निरास संग
बास बसि बिसवास कहै छी।
हम-अहाँ, अहाँ हम
गोपी-गोप गोपाल कहै छी।
सुआगत अपनेक करै छी
अभिमत,
सुआगत अपनेक करै छी
सुआगत...।



('विदेह' नाट्य उत्सव- २०१३क अवसरपर)

वृद्ध केना

वृद्ध केना भेलिऐ
आँइ यौ बौआ
वृद्ध केना भेलिऐ।
बाटे बहैक-बहैक
धक बाढ़ि हेललिऐ।
वाम-दहिन भाँज बिनु
बुझि सूर भड़लिऐ।
वृद्ध केना...।

बसि बास पीपही गछिया
रिआइते खिया खिऔलिऐ
निमोछा-निमोछी कहि सुनि
आम-कटहर कहौलिऐ।
बौआ, आम-कटहर कहैलिऐ।
वृद्ध केना...।

सात दिन सातो जनम
बुझियो नै कहाँ पेलिऐ।
तेहने आसो असा
पेब-पेब झखौलिऐ।
भाय यौ, पेब-पेब झखौलिऐ।
वृद्ध केना...।

वृद्ध-सँ-समृद्ध कहबए
समृद्ध समाज कल्पित छै
साज सिंगार सोल्हो कला
रीत वसन्त सूर तानि कहै छै।
बुझियो कहाँ पेलिऐ।
भाय यौ, बुझियो कहाँ पेलिऐ।
वृद्ध केना...।

सभ चाहए वसन्ती-वसन्त
धक्का बुढ़ाढ़ी खाइत अबैए।
गजुआ-बँझिया बाँझ-बहिला
लस-लसाइत बनैत एलीए
लस-लसाइत...।


समय केर

समय केर भूचालिमे
जिनगी बोहिया गेल।
जी-वन वन जीवन बीच
बोहिआएल बाट बटिया गेल।
समय केर...।

सजल-बसल मन मनिक
विष-विसाइन बनैत गेल।
उजैड़-उपैट झाड़-झपैट
सखुआ शंख रोपा गेल।
समय केर...।

घुमि-ताकि जखैन पाछू
मड़ियाएल मेघ देखै छी।
हरल-मरल बाट-घाट
घटिया घाट पबै छी।
समय केर...।

पकैड़ पएर चारिम पहर
अस्ति-चल-हस्ति भेटैत गेल।
घेरि-घेरि घेँट घेँघिया
दुखरा-दुख कहैत गेल।
समय केर...।



भगवती गीत

एना किए बनेलौं हे मइये
एना किए बनेलौं।
दुनियाँ रचै-बसैले
दुनियाँ अहाँ बनेलौं।
भूमा भोग भगा-भगा
माइयक कोर छोड़ेलौं।
हे मइये...।

सुखल रोटी अल्लू सनि सानि
दिन-राति किए खुएलौं
बाँकी भगा-भगा कऽ
रोग-वियाधि पठेलौं
एना किए...।

जामंतो फूल-गाछ सिरैज
जामंतो फूल-फल सजेलौं
चीन-पहचीन विस बिसरा
अगुआ थारी खिंचलौं, हे मइये
एना किए...।

बानि बहारि नैन दहाड़ि
बनवासी बना पठेलौं।
कलैप-तड़ैप तैयो कहै छी
हीय किए ने जगेलौं
एना किए...।


जगदीश प्रसाद मण्डलजीक 'पंगु' उपन्यास केर पछातिक गद्य लेखन-क्रम:

पंगु- (उपन्यास) लेखन तिथि: 11 मई 2018 सँ 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक : शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू : शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन : शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि : शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच : शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह : शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात : शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018
770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018
771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018
772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018
773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018
774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018
775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018
776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018
777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018
778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018
779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018
780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018
781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018
782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018
783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018
784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018
785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018
786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018
787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018
788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018
789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018
790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018
791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019
792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019
793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019
794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019
796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019
797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019
798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019
799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019
800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019
801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019
802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019
803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019
804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019
805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019
806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019
807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019
808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019
809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019
810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019
811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019
812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019
813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019
814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019
815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019
816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019
817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019
818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019
819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019
820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019
822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019
823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019
824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019
825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019
826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019
827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019
828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019
829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019
830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019
831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019
832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019
833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019
834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019
835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019
836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019
837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019
838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019
839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019
840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019
841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019
842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019
843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019
844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019
845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019
846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019
848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019
849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019
850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019
851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019
852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019
853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019
854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019
855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019
856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019
857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019
858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019
859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019
860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019
861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019
862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019
863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019
864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019
865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019
866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019
867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019
868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019
869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019
870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019
871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019
872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019
874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020
875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020
876. अपनाकँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020
877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020
878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020
879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020
880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020
881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020
882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020
883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020
884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020
885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020
886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020
887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020
888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020
889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020
890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020
891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020
892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020
893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020
894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020
895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020
896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020
897. सुचिता- एक : शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020
898. सुचिता- दू : शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन : शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020
900. सुचिता- चारि : शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020
901. सुचिता- पाँच : शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020
902. सुचिता- छह : शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020
903. सुचिता- सात : शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020
904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020
905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020
906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020
907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020
908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020
908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020
909. गामक सूरत बदैल गेल : शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020
910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020
911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020
912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020
913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020
914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020
915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020
916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020
917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020
918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020
919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020
920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020
921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020
922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020
923. नवका लोक : शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक : शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू : शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन : शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि : शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच : शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात : शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ : शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ : शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस : शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह : शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक : शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू : शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन : शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि : शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच : शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह : शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात : शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ : शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

949. संकल्प- नअ : शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस : शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021
951. अन्तिम क्षण- एक : शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021
952. अन्तिम क्षण- दू : शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021
953. अन्तिम क्षण- तीन : शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021
954. अन्तिम क्षण- चारि : शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021
955. अन्तिम क्षण- पाँच : शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021
956. परिवारे गजपटा गेल : शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021
957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021
958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021
959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021
960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021
961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021
962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021
963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021
964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021
965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021
966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021
967. कुण्ठा- एक : शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021
968. कुण्ठा- दू : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021
969. कुण्ठा- तीन : शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021
970. कुण्ठा- चारि : शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021
971. कुण्ठा- पाँच : शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
972. कुण्ठा- छह : शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021
973. कुण्ठा- सात : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
974. कुण्ठा- आठ : शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021
975. कुण्ठा- नअ : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस : शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021
977. सुदृढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021
978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021
979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021
980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021
981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021
982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021
983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022
984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022
985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022
986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022
987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022
988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022
989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022
990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022
991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022
992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022
993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022
994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022
995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022
996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022
997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022
998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022
999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022
1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022
1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लS लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022
1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022
1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022
1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1033. कनियेँ-मनियेँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022
1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022
1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022
1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022
1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022
1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022
1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022
1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022
1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022
1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022
1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022
1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022
1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022
1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022
1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022
1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022
1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022
1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022
1051. ओसचट बीमारी : शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022
1052. पुत्र परीक्षा : शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022
1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी : 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी : 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी : 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी : 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी : 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी : 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी : 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी : 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी : 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी : 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023
1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023
1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023
1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023
1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023
1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023
1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023
1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023
1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023
1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023
1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023
1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023
1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023
1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023
1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023
1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023
1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023
1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023
1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023
1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023
1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023
1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023
1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023
1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023
1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023
1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023

1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023
1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023
1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023
1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि : 10 अगस्त 2023
1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि : 30 अगस्त 2023
1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि : 02 सितम्बर 2023
1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023
1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023
1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023
1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023
1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023
1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023
1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023
1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023
1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023
1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023
1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023
1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023
1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023
1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023
1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023
1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023
1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023
1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023
1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023
1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023
1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023
1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023
1139. समैया लुच्चा- जारी...

❑❑❑
❑❑
❑

Notes